



देने वाले बनें अपने घर के शक्ति स्तम्भ बनें

सच्ची आध्यात्मिकता की पहचान

आध्यात्मिक जीवन केवल पूजा, प्रार्थना या ध्यान तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक पहचान हमारे व्यवहार में दिखाई देती है। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन का उद्देश्य केवल "लेना" नहीं, बल्कि "देना" बना लेता है, तभी उसके भीतर दिव्यता का उदय होता है। यही देवी-देवता जीवन का मूल संस्कार है।

आज अधिकांश लोग कहते हैं - मुझे प्रेम चाहिए, सम्मान चाहिए, शांति चाहिए, सहयोग चाहिए। परिणामस्वरूप प्रत्येक व्यक्ति अपेक्षा करता है और अपेक्षाओं का यह संघर्ष परिवारों में तनाव और समाज में अशांति का कारण बन जाता है। यदि हर घर में केवल एक व्यक्ति भी "लेने वाला" नहीं, बल्कि "देने वाला" बन जाए, तो वही घर स्वर्ग बनने की दिशा में बढ़ सकता है।

हम किस कुल के हैं?

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक परिवार अपने कुलदेवी या कुलदेवता का स्मरण करता है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक संदेश है। यदि हमारे पूर्वज देवी-देवता हैं तो हमारा स्वभाव भी उनके समान होना चाहिए।

देवी-देवताओं की प्रतिमाओं में उनके हाथ सदैव वरदानों मुद्रा में दिखाई देते हैं। उनका संदेश स्पष्ट है - देना ही उनका धर्म है। वे प्रेम देते हैं, सुख देते हैं, शांति देते हैं और शक्ति देते हैं। यदि हम स्वयं को उनके वंश का मानते हैं, तो हमारा जीवन भी देने की संस्कृति का परिचायक होना चाहिए।

लेने से देने की ओर यात्रा

आज संसार में अधिकांश संबंध अपेक्षाओं पर टिके हुए हैं। हम चाहते हैं कि लोग हमें समझे,

हमारा सम्मान करें, हमें प्रेम दें। लेकिन जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो शिकायत, क्रोध और निराशा जन्म ले लेते हैं।

राजयोग हमें एक नई दिशा देता है - मुझे लेना नहीं, देना है

यदि सम्मान वाला अशांत है, तो मैं उसे शांति दूँ। यदि कोई कटु बोलता है, तो मैं मधुरता दूँ। यदि कोई निराश है, तो मैं उसे आशा दूँ। यही आत्मिक सम्पन्नता का परिचय है।

अपने घर का शक्ति स्तंभ बनें

आज का समय अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। कभी बीमारी, कभी आर्थिक चुनौति, कभी संबंधों में तनाव और कभी मानसिक दबाव - परिस्थितियाँ अचानक बदल जाती हैं। ऐसे समय में प्रत्येक परिवार को एक ऐसे सदस्य की आवश्यकता होती है जो स्वयं विचलित न हो, बल्कि सबको संभाल सके।

वह व्यक्ति परिवार का शक्ति स्तंभ होता है

जैसे घर चलाने के लिए आर्थिक कमाई आवश्यक है, वैसे ही घर को खुशहाल बनाए रखने के लिए आध्यात्मिक शक्ति भी आवश्यक है। यदि परिवार में कोई एक व्यक्ति प्रतिदिन परमात्मा से शक्ति लेकर पूरे घर में शांति, धैर्य और सकारात्मकता का संचार करे, तो कठिन

परिस्थितियाँ भी परिवार को तोड़ नहीं पाती।

आत्मिक बैटरी को प्रतिदिन चार्ज करें

कल्पना कीजिए कि आत्मा एक दिव्य बैटरी है। यदि बैटरी खाली होगी, तो वह किसी को ऊर्जा नहीं दे सकेगी। लेकिन यदि वह परमात्मा की याद से प्रतिदिन भरती रहे, तो वही शक्ति परिवार, समाज और कार्यस्थल तक पहुँचती है। इसलिए प्रतिदिन कुछ समय स्वयं को आत्मा मानकर परमात्मा से जुड़ना केवल ध्यान का अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। यही अभ्यास हमें परिस्थितियों से ऊपर उठने की शक्ति देता है।

हमारे परिस्थितियों से ऊपर उठने की शक्ति देता है।

हमारे परिस्थितियों से ऊपर उठने की शक्ति देता है।

बाहर हलचल, भीतर एकस्थता

जीवन में तूफान आते रहेंगे। संसार बदलता रहेगा। परिस्थितियाँ हमारे अनुसार नहीं चलेगी। लेकिन राजयोग हमें सिखाता है कि बाहर चाहे जितनी हलचल हो भीतर की स्थिति स्थिर रहनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आंतरिक स्थिति एकरस रहती है, वही संकट के समय सही निर्णय ले पाता है। उसका धैर्य ही पूरे परिवार को साहस देता है। वह केवल स्वयं नहीं संभलता, बल्कि दूसरों को भी संभालने की शक्ति बन जाता है।



नवसारी-बीके मार्ग(गुज.)। मध्य प्रदेश माननीय राज्यपाल मंगुभाई पटेल को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. गौता दीदी।



पोरबोरिम-गोवा। सचिवालय में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वनीता, ब्र.कु. नूतन, ब्र.कु. पवित्रा, ब्र.कु. सुरेखा तथा अन्य।



कुमाया पाक-बेंगलुरु(कर्नाटक)। यूटी खादर फरीद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में राजयोगिनी ब्र.कु. सरोजा दीदी। साथ है अन्य बहनें।



बडनगर-म.प्र.। रक्षाबंधन के अवसर पर विधायक जितेंद्र पंड्या को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. मनीषा, तनुजा। साथ है स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नीलम तथा अन्य।



राजकोट-रवि रत्न पार्क(गुज.)। रक्षाबंधन पर्व पर मुजका पुलिस स्टेशन के पीआई केके गोहिल एवं अन्य कर्मियों को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. गौता एवं ब्र.कु. विधि।



झुंझर-राजेंद्र नगर(म.प्र.)। रक्षाबंधन के अवसर पर पार्षद प्रशान्त बबड़े को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् परिवार के अन्य सदस्यों को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रक्षा।



राजगढ़-ब्यावर(म.प्र.)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, पूर्व विधायक बापू सिंह ठेंकर, जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री रविंद्र जगौल, प्रज्ञा सिंह सिसोदिया, रिटायर्ड बैंक मैनेजर शिवनारायण नामदेव, ब्र.कु. मनु दीदी तथा अन्य।



गंजबासोदा-म.प्र.। रक्षाबंधन पर्व पर विधायक हरि सिंह रघुवंशी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. नंदनी, ब्र.कु. अनु, तथा अन्य।



चंदन नगर-पुणे(महारा.)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वाष्पेली पुलिस स्टेशन में सभी पुलिस अधिकारियों को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. अनोला।

Pay Directly to: osmorerf@indianbk



Note:- After Transferring, please share the screenshot on these number.

(कृपया ट्रांसफर करने के बाद नीचे दिए गए नंबर पर स्क्रीन शॉट भेजें)

संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414172087

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, तडाकुमातेज, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5, आबू रोड, राज. 307510

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹-720

Website: www.omshantimedia.org